।न्दन सिं॥ ग्रीखनु॥ नकी॥ कूट॰ सि
मामा॥ थ्वन निवा निंवा॥ कस्ती थूवा॥ वि
॥ग॰ कि दगम ॠ थ्व यगकि चाधिय॥ ।
धगमाँ वा सा वा॥ ग्रीखनु॥ कस्त्र॥ थ्वग थ्वं वायाँ वा॰
वा॥ थ्व थ्व या सया ना मम दा द व ग॰ लाग विकू या द गम ॠ
॥ कस्त्र॥ थ्वेवा॥ गंधक॥ गुगु लि॥ अगु लि॥ ग्रीखनु॥ द
थ्वा॥ थ्वनसै मसागा॥ ध्व थ्व या सया ना मगो ब द व द गम ॠ॥ म

ASHA ARCHIVES 3028

मा सं अृ नि ध्रिय॥ ॥कूप॥ दवन॥ या कू॥ वाल॥ दव दानू॥ ग
न॥ कसूव॥ थ्वन समराग॥ थ्वथूवाम त्रिपूव सूदनीया अू
का॥ दव दानू॥ ज्ञानीयत्र॥ ग्रीखलु॥ वाल॥ अृ तु लि॥ कू
॥ नकी॥ लाहा॥ द्वदामासी॥ यद्धनसि॥ थ्वन समराग,
थ्वलाकया पिन लाकया अृ नि ध्रिय॥ ॥कक्कि
थ्वनसि॥ ग्रीखलु॥ सिक्कासे॥ कर्प्यून॥ थ्वन
॥ ॥थ्वीकूम॥ नग॥ नायहा॥ नकी॥ सिद्धा

न॥ थूथूवाम यानाम गकू ध्रिया॥ पूर्व
पाल॥ ज्ञानीयत्र॥ ग्रीखलु॥ नकि॥ कर्प्यूनी॥
नन्दि सूखा॥ दक्षिनया अृम नृणथूपयम
॥ यहा॥ कूगवहा॥ गुगुलि॥ कर्प्यूव॥ कसूपि॥ ला
नहान॥ थूथूयाम यानाम महासख॥ पश्चिमया अृम
या॥ अृगुलि॥ कद्योन॥ पाय॥ कर्प्यूव॥ कूगवहा॥ नग॥ या
॥ थ्वनसमराग॥ सारवनवाय॥ थ्वगुलि थूपामयानाम थूयगु

॰ष्ठ्य॥ कृथनयात्रू लिद्विय॥ ॥ कल्सुजीवा॥ कर्य्यून निवा॰न

॰दामासीद्धवा॥ कृगलदाबूवा॥ सिक्लासक्लसवा॥ मूकम्याः

॰वा॥ थ्वगुलिकामद्दुवनदयका॥ थ्वधूपासनामवि

॰य॥ ॥ गुगुलि॥ डणमासि॥ कपूर॥ कल्सुपि॰

॰न्क्रिसशूलिद्धि॥ ॥ लीला॥ धूँवना॥ कू

॰थलसथन्त्र॥ थ्वधूपासयानामविक्काम

ASHA ARCHIVES 3028

...ध्युग मूख ष्ठेव मूडाकै धायय्च
...वपनमीराव ण॥ कामक वन्धु मूद्राकै स
...ना यथिजि ताम्यद्दी नाथिमात्तव४ ॥ यउर्द्ध
॥३७॥ धानन्यस्तानंमद्विः सर्वपार्यवण्हमानं
...ष्यसंयर्यं ॥३८॥ मूडाकै उनभावरु मद्रुकावे स
...तउ तमूडानारगैसय४ ॥३९॥ विनामक्लै गयाधरु मू
...येयागिन्तनयै धार्य यावद्दिन्डाभ्यउद्दग४ ॥४०॥ अ्थेकादि

...रु मन्त्राणि लिख्यन्ते ॥ ॐ ऐं ॥१॥ ॐ ह्रूँ ॥२॥ ॐ ह्रं ॥३॥ ॐ ह्रँ ॥४॥
...ह्रीं ॥७॥ ॐ ह्रीं ॥८॥ ॐ क्रूं ॥९॥ ॐ म्रूं ॥१०॥ ॐ क्रीं ॥११॥ ॐ क्रं ॥१२
॥ मूर्द्धा कण्ठ गर्भे ज्ञा ॥ शिवाम्नात्रिष्व कास्य आनयमृ
...मानव ४०४ चिभस्त आगिन नकै धार्य उपकीरावणि
...कान्द भूपाल मरुठ वनकारि क्रियसंच ॥
॥ ॥

कान, मज्जस्थान, डाकिनी॥ पनमस्
देवता, त्वकस्थान, विशुद्धिचक्र कं० स्था
गा, नक्स्थान, अनाहतचक्र रुद्रदेवः
देवता, मांसस्थान, मनिपूरचक्र विष्णुदेवता लक्ष्मी
देवता, मेदस्थान, स्वाधिस्थानचक्र ब्रह्मदेवता, गाय
स्थान, आधारचक्र गणेशदेवता ॥
धनाग, कूर्म, धनञ्जय, कालाग्निरुद्र, आदिदेवाहा ॥श्रुत

[illegible]

पनमहस्र आज्ञाचक्र श्रीकान दिदन, देवता, विशुद्धचक्र, षोडश
षकोन मध्य द्वादशदल लाकिनी देवता श्रीकानमः
श्रीमध्ये षट्दल शाकिनी आधारचक्र, वज्रचतु
किदेवता, त्वकस्थानम
विशुद्धचक्र कं० स्थान श्यातमादेवता॥
रुद्रदेवता पार्वती शक्ति हृदयस्थान
विष्णुदेवता लक्ष्मी शक्ति नाभिस्थान
ब्रह्मदेवता, गायत्री शक्ति देव